

## B.A. 6th Semester (General) Examination, 2023 (CBCS)

Subject : Sanskrit

2192

Course : SEC-4

Time: 2 Hours

Full Marks: 40

*The figures in the margin indicate full marks.**Candidates are required to give their answer in their own words as far as applicable.*

प्रश्नपत्रेऽस्मिन् क-विभागः ख विभागश्चेति विभागद्वयं वर्तते। परिक्षार्थिभिः कस्यचिदेकस्य विभागस्योत्तरं कार्यम्।  
 এই প্রশ্নপত্রে বিভাগ-ক এবং বিভাগ-খ শীর্ষক দুটি বিভাগ বর্তমান। পরীক্ষার্থীদের যে কোন একটি বিভাগের প্রশ্নের  
 উত্তর দিতে হবে।

'ক'-বিভাগ:

(Vedic Literature)

1. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु कस्यचित् प्रश्नपञ्चकस्य उत्तरं लेख्यम्। तेषु द्वयोः प्रश्नयोः उत्तरम् अवश्यमेव संस्कृतभाषया  
 लेखनीयम्। 2x5=10

নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে পাঁচটি প্রশ্নের উত্তর দাও। তার মধ্যে দুটি প্রশ্নের উত্তর সংস্কৃত ভাষায় লেখো।

- (a) स्वपाठ्यान्तर्गतस्य अग्निसूक्तस्य विनियोगः कुत्र?  
 निजेर पाठ्यांशुर्गत अग्निसूक्तेर विनियोग कोथाय?
- (b) स्वपाठ्यान्तर्गतस्य इन्द्रसूक्तस्य ऋषिः कः, सूक्तमिदं केन छन्दसा निबद्धम्?  
 निजेर पाठ्यांशुर्गत इन्द्रसूक्तेर ऋषि के? सूक्तं केन छन्दे निबद्ध?
- (c) 'यो दस्योर्हन्ता'—इति मन्त्रांशः कस्मात् सूक्तात् गृहीतः?  
 'यो दस्योर्हन्ता'—मन्त्रांशः केन सूक्तेः गृहीत? दस्युर हन्ता के?
- (d) 'अहं सुवे पितरम्'— इत्यत्र 'पितरम्' इति शब्दस्य अर्थः कः? कः पितरं जनयति स्म?  
 'अहं सुवे पितरम्'— मन्त्रांशः केन वर्तमान 'पितरम्' शब्देर अर्थ की? के पितरं जन्म दत्त?
- (e) आम्भृणी वाक् का?  
 आम्भृणी वाक् के?
- (f) 'अन्ये ज्ञायां परि मृशन्ति' - कस्मिन् सूक्ते अयं मन्त्रांश उपलभ्यते। अत्र प्रसङ्गः कः?  
 'अन्ये ज्ञायां परि मृशन्ति' — मन्त्रांशः केन सूक्ते उपलब्ध? प्रसङ्गः कि?
- (g) ईशोपनिषदः उत्सः कः?  
 ईशोपनिषद्-এর উৎস কী?

- (h) ईशोपनिषदि आम्रातस्य सम्भूतिशब्दस्य कोऽर्थः?  
 ऋशोपनिषद्-ए आम्रात सञ्जुति शब्दर अर्थ की?

2. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु कयोश्चिद् द्वयोः प्रश्नयोरुत्तरं संस्कृतभाषया लेख्यम्।  
 निम्नलिखित प्रश्नগুলির মধ্যে যেকোনো দুটি প্রশ্নের উত্তর সংস্কৃত ভাষায় লিখতে হবে।

5×2=10

- (a) मन्त्रोऽयं सप्रसङ्गं व्याख्यायताम् -  
 मन्त्राणि सप्रसङ्गं व्याख्या करो -  
 स नो वृष्टिं दिवस्पति  
 स नो वाजमनुवर्णिम्  
 स नः सहस्रिणीरिषः॥

- (b) मन्त्रोऽयं सप्रसङ्गं व्याख्यायताम् -  
 मन्त्राणि सप्रसङ्गं व्याख्या करो -  
 अहमेव वातइव प्र वाम्यारभमाणा भुवनानि विश्वा।  
 पुरो दिवा पुर एना पृथिव्यैतावती महिना सं बभूव॥

- (c) मन्त्रोऽयं सप्रसङ्गं व्याख्यायताम् -  
 मन्त्राणि सप्रसङ्गं व्याख्या करो -  
 यः शम्बरं पर्वतेषु क्षियन्त्रं  
 चत्वारिंश्यां शरद्वन्वविन्दत्।  
 ओज्जायमानं यो अहिं जुधात्  
 दानुं शयानं स जनासु इन्द्रः॥

- (d) मन्त्रोऽयं सप्रसङ्गं व्याख्यायताम् -  
 मन्त्राणि सप्रसङ्गं व्याख्या करो -  
 यस्मिन् सर्वाणि भूतान्यात्मैवाभूद्विजानतः।  
 तत्र को मोहः कः शोक एकत्वामनुपश्यतः॥

3. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु कयोश्चिद् द्वयोः प्रश्नयोरुत्तरं लेख्यम्।  
 নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে যে কোনো দুটি প্রশ্নের উত্তর লেখো।

10×2=20

- (a) 'यो विश्वस्य प्रतिमानं बभूव'- अत्र कस्य स्तुतिर्विहिता? तस्य माहात्म्यं स्वपाठ्यांशानुसारं वर्णनीयम्।  
 মন্ত্রাংশটিতে কোন দেবতার স্তুতি করা হয়েছে? উক্ত দেবতার মাহাত্ম্য স্বপাঠ্যাংশ অনুসারে বর্ণনা করো।

- (b) देवीसूक्तस्य दार्शनिकभावना प्रतिपादनीया।  
 দেবী সূক্তের দার্শনিক ভাবনা প্রতিপাদন করো।

- (c) 'अक्षैर्मा दीव्यः कृषिमित् कृषस्व' इति उपदेशस्य तात्पर्यं व्याख्यायताम्।  
 উক্ত উপদেশটির তাৎপর্য ব্যাখ্যা করো।

- (b) ईशोपनिषदि वर्णितं विद्याविद्ययोः स्वरूपमालोच्यताम्।  
 ऋशोपनिषद्-ए वर्णित विद्या ओ अविद्यार स्वरूप आलोचना करो।

'ख'-विभागः

विभाग- 'ख'

(Moral Values in Sanskrit Literature)

1. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु कस्यचित् प्रश्नपञ्चकस्योत्तरं लेख्यम्। तेषु प्रश्नद्वयस्योत्तरम् अवश्यमेव संस्कृतभाषया लेख्यम्।  
2×5=10
- निम्नलिखित प्रश्नগুলির মধ্যে যেকোনো পাঁচটি প্রশ্নের উত্তর লিখতে হবে। তার মধ্যে দুটি প্রশ্নের উত্তর অবশ্যই সংস্কৃত ভাষায় লিখতে হবে।
- (a) 'दानवीरः कर्णः' इति रूपकं केन विरचितम्? अस्य प्रकारभेदं निरूपय।  
'दानवीरः कर्णः' रूपकটির রচয়িতা কে? এটি প্রকারভেদ নির্ণয় করো।
- (b) पाकशासनः कः? तस्य एतादृशस्यनामः प्रसिद्धत्वे को हेतुः?  
পাকশাসন কে? তার এতাদৃশ নামের প্রসিদ্ধির হেতু কী?
- (c) 'विमला' का? तस्याः वैशिष्ट्यं किम्?  
'विमला' कौ? तार वैशिष्ट्य कौ?
- (d) इन्द्रः कर्णाय कीदृशम् आशीर्वादं दत्तवान्।  
ইন্দ্র কর্ণকে কি আশীর্বাদ দান করেছিলেন?
- (e) शशकसिंहकथायाः उत्सः कः? अस्याः कथायाः प्रणेता कः?  
শশকসিংহকথার উৎস কী? এই কথার প্রণেতা কে?
- (f) शशकसिंहकथायाः शिक्षणीयः विषयः कः?  
শশকসিংহকথার শিক্ষণীয় বিষয় কী?
- (g) "किमनेन सकलमृगबधेन"- इति कः कस्मै निवेदितवान्?  
উক্তিটি কে কার উদ্দেশ্যে নিবেদন করেছিল?
- (h) भासुरकस्य परिचयः कः?  
ভাসুরকের পরিচয় কী?
2. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु कस्यचित् प्रश्नद्वयस्योत्तरं संस्कृत भाषया लेख्यम्।  
5×2=10
- নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে যে কোনো দুটি প্রশ্নের উত্তর সংস্কৃত ভাষায় লেখো।
- (a) सप्रसङ्गं व्याख्यायताम् -  
সপ্রসঙ্গ ব্যাখ্যা করো -  
'भुजङ्गजिह्वाचपला नृपप्रियः।'  
'ভুজঙ্গজিহ্বাচপলা নৃপপ্রিয়ঃ।'
- (b) "वञ्चितः खलु भवान्" - इत्यत्र वक्ता वचनमिदं कस्मै कथं निवेदितवान्।  
বক্তা কাকে কেন একথা বলেছিলেন?

- (c) सप्रसङ्गं व्याख्यायताम् -  
 सप्रसङ्गं व्याख्यां करो -  
 जातमात्रं न यः शत्रुं रोगञ्च प्रशमं नयेत्।  
 महाबलोऽपि तेनैव वृद्धिं प्राप्य स हन्यते ॥
- (d) शशकसिंहकथानुसारं संक्षेपेण दुर्गमाहात्म्यम् आलोच्यताम्।  
 शशकसिंह कथा अनुसारे संक्षेपे दुर्गमाहात्म्य आलोचना करो।

3. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु कस्यचित् प्रश्नद्वयस्योत्तरं संस्कृतभाषया लेख्यम्।

10×2=20

निम्नलिखित प्रश्नগুলির মধ্যে যে কোনো দুটি প্রশ্নের উত্তর সংস্কৃত ভাষায় লেখো।

- (a) 'दानवीरः कर्णः' इति रूपकानुसारं कर्णचरितमालोच्यताम्।  
 'दानवीरः कर्णः'—এই রূপকটি অবলম্বন করে কর্ণের চরিত্র আলোচনা করো।
- (b) 'दानवीरः कर्णः' इति रूपकानुसारम् इन्द्रचरितमालोच्यताम्।  
 'दानवीरः कर्णः' রূপকটি অবলম্বন করে ইন্ড্রের চরিত্র আলোচনা করো।
- (c) शशकसिंह कथायां वर्णितस्य सिंहस्य चरितमालोच्यताम्  
 শশকসিংহ কথায় বর্ণিত সিংহের চরিত্র আলোচনা করো।
- (d) शशकसिंह कथायां शशकः केन प्रकारेण आत्मानं रक्षितवान्? तत सर्वं निवेदनीयम्।  
 শশকসিংহ কথাতে শশক কীভাবে নিজেকে রক্ষা করেছিলো? তা সবটাই আলোচনা করো।